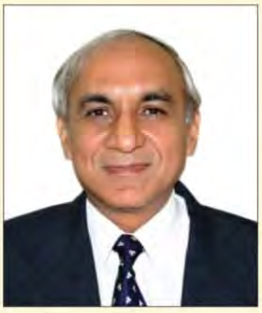

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड
एवं
पदेन प्रमुख सचिव, भारत सरकार
रेल मंत्रालय
रेल भवन
नई दिल्ली–110 001

नव वर्ष का संदेश

मेरे प्रिय रेल कर्मियों,

1 जनवरी, 2014

मैं भारतीय रेल के प्रति आपकी सतत् प्रतिबद्धता के लिए आभारी हूँ और आपके एवं आपके परिवार के लिए शुभ एवं समृद्ध नव वर्ष की कामना करता हूँ।

वर्ष 2013 में, हमने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पीर पंजाल सुरंग के खुलने से कश्मीर घाटी के लिए चिर–प्रतीक्षित रेल संपर्क चालू हुआ है। रायबरेली में एक नया रेल डिब्बा कारखाना बना है। हमने चुनिंदा एक बिलियन टन फ्रेट क्लब में प्रवेश किया है और हम विश्व में एकमात्र सबसे बड़ा यात्री वाहक बने हुए हैं।

इस वर्ष अभी तक, पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान माल आमदनी में 8.8% और यात्री आमदनी में 18% की वृद्धि हुई है। फिर भी इस गति को और बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमारे ग्राहक समाज के सभी वर्गों से आते हैं। आर्थिक तंगियों के बावजूद, हमारे सामने यात्रियों की बढ़ती हुई आशाओं की चुनौती है। हमें इस चुनौती का सामना करना है। हमसे हमेशा ज्यादा की आशा की जाती है।

कार्य में 'कुशलता' अनिवार्यतः 'प्रभावोत्पादकता' के साथ–साथ चलती है। अक्सर, हम सामान्य कार्यक्रमों में उलझे रह जाते हैं और इस दौरान अपेक्षाकृत बड़े कार्यों को अनदेखा कर देते हैं। दिन–प्रतिदिन के मसलों पर परिश्रम करते समय, अपने ध्येय को ध्यान में रखना जरूरी है।

हमारा ध्येय और नीति स्पष्ट है। भारतीय रेल की आमदनी को बढ़ाना है और खर्च पर अंकुश लगाना है। हमें अपने कार्य में प्राथमिकता निर्धारण करने की जरूरत है। हमारे यात्रियों को उनके पैसों का पूरा मूल्य मिलना चाहिए। हमारे संसाधन सीमित हैं और इसलिए संसाधनों के विवेकपूर्ण आबंटन की जरूरत है। हमें गुणवत्ता को बनाए रखते हुए कार्य को समय पर पूरा करने की जरूरत है। हमें वित्त–व्यवस्था के अभिनव मॉडलों की जरूरत है। हमें अपनी पी.पी.पी. प्रयासों को और हमारी फ्लैगशिप डी.एफ.सी. परियोजना में सफलता का प्रदर्शन करके पूँजीनिवेश जुटाने की जरूरत है। हमें अपने कामकाज में पारदर्शिता दिखाने की जरूरत है। हमें अपने माननीय रेल मंत्री के आदर्श कथन–रेलगाड़ी परिचालनों में **'जान–माल की कोई हानि नहीं'** को पूरा करने के लिए निष्ठापूर्वक प्रयास करने की जरूरत है।

इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सबसे बड़ी शक्ति हमारी सक्षम मानव संसाधन पूँजी है। रेल कर्मचारी पारम्परिक रूप से इस संगठन की शक्ति रहे हैं। हमारे औद्योगिक संबंध अनुकरणीय एवं दूसरे संगठनों के लिए आदर्श रहे हैं। हमें उनको बनाये रखने की जरूरत है।

कार्य के प्रति अपने समर्पण को बनाए रखते हुए, कृपया अपने परिवार को अनदेखा न करें। उनके साथ बेहतरीन समय बिताएं क्योंकि आपका परिवार अच्छा कार्य–प्रदर्शन करने के लिए आपको ऊर्जा प्रदान करता है। उत्पादकता का ध्यान रखें, कार्यालय समय के बाद कार्य करने की सदैव जरूरत नहीं होती। अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करें – निजी और व्यवसायिक कार्यों में अपना जोश हमेशा बनाये रखें।

नव वर्ष में, हमें अपने ग्राहकों कों, चाहे वे यात्री हों या माल यातायात के ग्राहक हों, पर अपना ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है ताकि उनके लिए रेलवे के साथ संपर्क में एक सुखद अहसास हो। **'मुस्कान के साथ सेवा'** कभी भी इतना जरूरी नहीं थी जितना कि आज है।

अ० कुमार

अरूनेन्द कुमार
Email.: crb@rb.railnet.gov.in